सीलिंग कार्रवाई के विरोध में निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन

बागसेवनिया के व्यापारियों ने बाइक रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 21 अगस्त. नगर निगम मुख्यालय पर शुक्रवार को बागसेवनिया क्षेत्र के व्यापारियों ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की. प्रदर्शन आवासीय कॉलोनियों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील करने के लिए जारी किए जा रहे नोटिस के विरोध में किया गया.

प्रदर्शन से पहले व्यापारियों ने विश्वकर्मा मंदिर से नगर निगम मुख्यालय तक बाइक रैली निकाली. बागसेवनिया व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि अकेले बागसेवनिया क्षेत्र में करीब 700 दुकानों को नोटिस जारी किए गए हैं. व्यापारियों का कहना है कि नगर निगम द्वारा अचानक दुकानों को बंद करने की कार्रवाई से छोटे दुकानदारों और उनके परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी. कई व्यापारी वर्षों से इन्हीं दुकानों के माध्यम से परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं.

व्यापारियों ने कहा कि कुछ दिनों बाद रक्षाबंधन सहित अन्य त्योहार आने वाले हैं. इस दौरान आम दिनों की अपेक्षा व्यापार बढ़ता है, लेकिन सीलिंग की कार्रवाई से त्योहारों के सीजन में उनकी चिंता बढ़ गई है.

छोटी दुकानें रोजमर्रा की जरूरतों का प्रमुख साधन

रिहायशी इलाकों में रहने वाले मजदूर, निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए ये छोटी दुकानें रोजमर्रा की जरूरतों का प्रमुख साधन हैं.

दुकानें बंद होने पर उन्हें सामान खरीदने के लिए दूर जाना पड़ेगा. प्रदर्शन के बाद व्यापारियों ने कॉलोनी सेल उपायुक्त भुवन गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर सीलिंग कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की.

> **सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आड़ का आरोप**
> व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम सीलिंग कार्रवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिहायशी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े आदेश की आड़ ले रहा है. उन्होंने मांग की कि कार्रवाई से पहले छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और आम जनता के हितों को ध्यान में रखा जाए. संगठन ने चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं रोकी गई तो विरोध प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा.

मेडिकल फीस के नाम पर 60 लाख की धोखाधड़ी

भोपाल, 21 अगस्त. हबीबगंज थाना पुलिस ने एमबीबीएस की फीस जमा कराने के नाम पर 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में विक्रम आदित्य शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

शिकायतकर्ता डॉ. चित्रा ठाकुर (48), निवासी अरेरा कॉलोनी ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे हर्षवर्धन की एमबीबीएस की फीस पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में जमा कराने का आश्वासन देकर आरोपी ने 60 लाख रुपए लिए थे. शिकायत के अनुसार, आरोपी ने कॉलेज में अपनी पहचान होने और फीस कम कराने की बात कही थी. बाद में उसने व्हाट्सऐप के जरिए कॉलेज की फीस जमा होने की रसीदें भेजीं। इनमें करीब 55.67 लाख रुपए फीस और दो लाख रुपए हॉस्टल फीस जमा होने का उल्लेख था. कुछ समय बाद फीस जमा नहीं होने पर हर्षवर्धन को परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया और हॉस्टल से बाहर कर दिया गया. चित्रा ने कॉलेज पहुंचकर रसीदों की जांच कराई तो फीस जमा नहीं होने की जानकारी मिली. रकम लौटाने के लिए आरोपी ने 25 फरवरी 2026 का 60 लाख रुपए का चेक दिया, लेकिन वह बैंक में बाउंस हो गया.

एक नजर में

श्वास नली में दूध जाने से हुई नवजात की मौत

भोपाल. 14 अगस्त को आंगनवाड़ी में टीकाकरण और पोलियो की दवा पिलाने के बाद नवजात की तबीयत बिगड़ने और मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है. गांधी मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में नवजात की मृत्यु सांस नली में दूध चले जाने से दम घुटने के कारण होना बताया है. चिकित्सकों के अनुसार इसे मिल्क एस्पिरेशन कहते हैं, जिसमें दूध भोजन नली के बजाय गलती से श्वास नली और फेफड़ों में चला जाता है. नवजात की मृत्यु का टीकाकरण नहीं है. विभाग ने बताया कि बीमारियों से बचाव और शिशु मृत्यु दर कम करने में टीकाकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

राजस्व वसूली प्रभावित, सहायक लेखापाल निलंबित

भोपाल. जन विश्वास अभियान के तहत जोन क्रमांक 19 के निरीक्षण में सभी वार्डों में पीओएस मशीन उपलब्ध नहीं मिलीं, जिससे राजस्व वसूली प्रभावित हो रही थी. जांच में सामने आया कि मशीनों को सक्रिय कराने के लिए सहायक लेखापाल संजय सिंह परिहार को सौंपा गया था, लेकिन उन्होंने समय पर मशीनें वापस नहीं कीं. इस मामले की जांच में संजय सिंह परिहार की लापरवाही सामने आने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया.

मोबाइल विवाद पर चाकूबाजी, तीन घायल

भोपाल. पिपलानी थाना क्षेत्र के हथाईखेड़ा में गिरवी रखे मोबाइल को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने तीन दोस्तों के साथ मिलकर किशोर और उसके माता-पिता पर चाकू से हमला कर दिया. घटना में तीनों घायल हुए हैं. पुलिस ने मामले में चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस के अनुसार दुर्गेश यादव ने करीब 15 दिन पहले क्षेत्र में रहने वाले आशीष के पास 2500 रुपए में मोबाइल गिरवी रखा था. इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया. मारपीट में दुर्गेश और उसके माता पिता घायल हो गए. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आशीष, आनंद, निहाल और उदय को गिरफ्तार कर लिया.

बंसल वन फ्लाइंग सॉसर में मिली बदबूदार दाल-सब्जी

79 प्रकरण दर्ज, 5.79 लाख रुपए जुर्माना

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 21 अगस्त. नगर निगम मजिस्ट्रेट और जिला खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने शुक्रवार को शहर में चलित न्यायालय लगाकर खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री करने वाले प्रतिष्ठानों की जांच की. इस दौरान प्रतिष्ठित रेस्टारेंट में वेज और नॉन वेज भी एकसाथ रखे हुए मिले.

कार्रवाई के दौरान रानी कमलापति स्टेशन क्षेत्र के बंसल वन स्थित फर्जी कैफे, रोमियो लेन, फ्लाइंग सॉसर, रास्ता, माय बार, आयबरी, कव्वाली और संकल्प रेस्टोरेंट एंड बार सहित अन्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया. जांच के दौरान फ्लाइंग सॉसर बार में दाल, पनीर की ग्रेवी और चावल में बदबू पाई गई. फ्रिज में वेज और नॉनवेज खाद्य सामग्री भी एक साथ रखी मिली. निगम के स्वास्थ्य अमले ने खराब खाद्य सामग्री जब्त कर प्रकरण दर्ज किया. वहीं रोमियो लेन रेस्टोरेंट से टीम ने पनीर और दही के नमूने लिए. इसके बाद म्यूनिसिपल मजिस्ट्रेट तरुणेंद्र प्रताप सिंह मेपल ट्री होटल पहुंचे. यहां भी खाद्य सामग्री की बारीकी से जांच की गई और नमूने लिए गए. अधिकारियों के अनुसार निरीक्षण के दौरान कई रेस्टोरेंट और बार में खाद्य सामग्री के रखरखाव तथा स्वच्छता संबंधी कमियां मिलीं. मानक स्तर की व्यवस्थाएं नहीं मिलने पर म्यूनिसिपल मजिस्ट्रेट ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम और मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम के तहत 79 प्रकरण दर्ज कर कुल 5 लाख 79 हजार रुपए का जुर्माना लगाया. कार्रवाई में निगम उपायुक्त हीरेंद्र सिंह कुशवाह, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के पंकज श्रीवास्तव और निगम के अमले ने हिस्सा लिया.

बंसल वन के रेस्टोरेंट-बार में मोबाइल कोर्ट की जांच

बंसल वन स्थित रेस्टोरेंट और बार में शुक्रवार को नगर निगम की म्युनिसिपल कोर्ट के चलित न्यायालय ने जांच की .मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तरुणेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने करीब दो घंटे में नौ प्रतिष्ठानों के किचन और स्टोरेज की जांच की. एक रेस्टोरेंट के फ्रीजर में वेज और नॉनवेज खाद्य सामग्री साथ रखी मिली, जबकि कुछ जगह एक्सपायर्ड कोल्ड्रिंक्स मिलने पर कार्रवाई की गई. टीम ने खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों के सैंपल भी लिए। अभियान के दौरान बंसल वन, मेपल ट्री होटल और डीबी मॉल सहित अन्य प्रतिष्ठानों में 79 प्रकरण दर्ज कर 5.79 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया. निगम ने कार्रवाई आगे भी जारी रखने की बात कही.

आयुक्त की सुरक्षा के लिए बुलाए बाउंसर

कर्मचारी संगठनों ने डीपीआई के समक्ष किया प्रदर्शन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 21 अगस्त .लोक शिक्षण संचालनालय परिसर में वर्ग-3 शिक्षक भर्ती की कटऑफ तारीख को लेकर जारी आंदोलन के दौरान अधिकारियों से अभद्रता के विरोध कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया. कर्मचारी संगठनों ने शुक्रवार को डीपीआई समेत राज्य शिक्षा केंद्र के सामने समस्त कार्यभार बंद कर विरोध दर्ज किया.

वहीं गुरुवार की रात आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह के साथ हुई कथित झूमा झटकी के बाद परिसर में पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद काले कपड़ों में निजी बाउंसर तैनात दिखे. इस दौरान स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव संजय गोयल ने डीपीआई कार्यालय पहुंचकर आयुक्त अभिषेक सिंह से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की बात कही. मौके पर मीडिया द्वारा पुलिस बल की मौजूदगी के बाद भी निजी बाउंसरों की तैनाती को लेकर आयुक्त अभिषेक सिंह ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई निजी बाउंसर नहीं बल्कि सुरक्षा एजेंसी के गार्ड लगाए गए हैं, जिन्हें ऐसी स्थितियों में जरूरत पड़ने पर बुलाया जाता है.

श्यामला हत्याकांड : चार दिन ईरानी महिला के संपर्क में रहे आरोपी

भोपाल, 21 अगस्त .श्यामला हिल्स में 17 वर्षीय किशोर की हत्या के मामले में पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. पुलिस के अनुसार 1.20 करोड़ रुपए कमाने की लालच में हत्या के बाद आरोपी आमिर, मास्टरमाइंड जोहेब और तीन नाबालिग दो दिन तक शव के एक हिस्से को कार में लेकर घूमते रहे.

इसके बाद उसे एक दिन फ्रीजर में रखा गया. आरोपी लगातार चार दिन तक संदिग्ध ईरानी महिला और युवक के संपर्क में रहे और इसे बेचने की कोशिश करते रहे. पुलिस के मुताबिक चौथे दिन आरोपी इसे लेकर ईरानी महिला के घर पहुंचे, लेकिन महिला और युवक ने इसे लेने से इनकार कर दिया. इसके बाद आरोपियों ने इसे पन्नी में लपेटकर तालाब में फेंक दिया. हत्या के पांचवें दिन आमिर और जोहेब ने अपराध में उपयोग अल्टो कार कबाड़ी को 23 हजार रुपए में बेच दी. कबाड़ी ने 12 हजार रुपए जोहेब के खाते में ऑनलाइन भेजे, जबकि बाकी रकम नकद दी. कार किसकी थी, अभी पुलिस ने खुलासा नहीं किया है. पुलिस लेनदेन की जांच कर रही है. शुक्रवार को पुलिस आमिर को उसके घर लेकर पहुंची, जहां हत्या के समय पहने कपड़ों की तलाश की गई.

सब-इंस्पेक्टर का हार्ट अटैक से निधन

भोपाल. बजरिया थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर राकेश मिश्रा की शुक्रवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई. वह बजरिया थाना क्षेत्र के सेमरा में परिवार के साथ रहते थे. गुरुवार रात करीब 10 बजे ड्यूटी पूरी करने के बाद वह घर लौटे. शुक्रवार सुबह करीब सात बजे उठने के बाद उन्होंने चाय पी. इसके थोड़ी देर बाद कमरे में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़े. परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. डाक्टरों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है.

बड़े तालाब के जलभराव क्षेत्र में थार से स्टंट, एफआईआर

भोपाल, 21 अगस्त . बड़े तालाब के किनारे जलभराव क्षेत्र में थार वाहन से खतरनाक तरीके से स्टंट करने का मामला सामने आया है. सेवनिया गौड़ निवासी सीएनजी ऑटो चालक प्रिंस पटेल (28) ने रातीबड़ थाने में शिकायत कर वाहन चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है.

प्रिंस ने पुलिस को बताया कि 20 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे वह अपने दोस्त सुजीत मारन के साथ स्टेट डेयरी के पास बड़े तालाब किनारे घूमने गया था. वहां कई चार पहिया वाहन चालक कीचड़ में तेज गति से वाहन चलाकर स्टंट कर रहे थे. इसी दौरान महिंद्रा थार का चालक भी खतरनाक तरीके से वाहन दौड़ाकर स्टंट कर रहा था. फरियादी का आरोप है कि जलभराव क्षेत्र में इस तरह वाहन चलाने से कीचड़ और गंदगी तालाब के पानी में मिल रही थी, जिससे जलाशय का पानी दूषित होने के साथ संक्रमण का खतरा भी पैदा हो सकता है. उसने चालक को स्टंटबाजी और हुड़दंग करने से मना किया, लेकिन उसने बात नहीं मानी. इसके बाद प्रिंस ने वाहन का नंबर नोट कर लिया.

37 दुकानों में 12 ने खुद हटाया कब्जा

डिपो चौराहे से जहांगीराबाद तक मेट्रो का रास्ता साफ

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 21 अगस्त. डिपो चौराहे से जहांगीराबाद तक मेट्रो रेल की लाइन में बाधा बन रही दुकानों को शुक्रवार से हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई. ये 37 नोटरी दुकानें मालवीय नगर क्षेत्र में पुरानी विधानसभा के पास स्थित हैं.

प्रशासन, नगर निगम और मेट्रो प्रबंधन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों को जल्द दुकानें खाली करने की समझाइश दी.इसके बाद दुकानदारों ने प्रशासन का सहयोग करते हुए खुद ही दुकानें खाली करना शुरू कर दिया. दुकानदारों ने पहले कंप्यूटर, फोटो कॉपी मशीन, फर्नीचर सहित अन्य सामान बाहर निकाला. इसके बाद मजदूरों की मदद से दुकानों को तुड़वाना शुरू किया. शुक्रवार को करीब 12 दुकानें हटाई जा चुकी हैं.

मुआवजा दिया जा चुका है...

एसडीएम शहर वृत्त दीपक पांडेय ने बताया कि दुकानदारों को मुआवजा दिया जा चुका है.आगामी दिनों में शेष 25 दुकानें भी हटाई जाएंगी. दुकानों के हटने के बाद मेट्रो ट्रैक निर्माण का काम गति पकड़ सकेगा.

जनविश्वास : सुनीं जनसमस्याएं

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 21 अगस्त. कोलार तहसील परिसर में शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत जनसमस्या निवारण शिविर और हितग्राही सम्मेलन आयोजित किया गया.

शिविर में जनप्रतिनिधियों के साथ नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे. हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए. कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया. शिविर में नगर निगम और जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र हितग्राहियों से आवेदन लिए.

ठगी का शिकार व्यापारी पुलिस से परेशान

शाहपुरा पुलिस पर व्यापारी ने लगाए आरोप

भोपाल, 21 अगस्त .जालसाज ने दुकानदार से करीब 15 हजार रुपए का सामान ठगी कर लिया और बाद में उसे बेच भी दिया. मामला पुलिस तक पहुंचा तो आरोप है कि केस मजबूत करने और जब्ती दिखाने के लिए पुलिस ने उसी पीड़ित दुकानदार से दोबारा वैसा ही सामान मंगवा लिया.

दुकानदार ने पुलिस की कार्रवाई में सहयोग करते हुए सामान उपलब्ध करा दिया, लेकिन अब वही सामान केस प्रॉपर्टी बनकर पुलिस के मालखाने में जमा है. दुकानदार को इसे वापस पाने के लिए कोर्ट की प्रक्रिया पूरी होने तक इंतजार करना पड़ेगा. यह आरोप अलोरा डिजाइन स्टूडियो के संचालक अमित चौकसे ने शाहपुरा पुलिस पर लगाते हुए पुलिस कमिश्नर से शिकायत की है. अमित के अनुसार, आरोपी अनिल मिश्रा उनकी दुकान से आठ सूट और दो साड़ियों समेत करीब 15 हजार रुपए का सामान खरीदने के बहाने ले गया था. उसने भुगतान करने का भरोसा दिलाया, लेकिन सामान लेकर फरार हो गया.

> शिकायत के बाद शाहपुरा पुलिस ने मामले में केस दर्ज किया. अमित का आरोप है कि आरोपी के कब्जे से ठगी का मूल सामान बरामद नहीं हो सका. ऐसे में पुलिस ने उनसे दोबारा ही उतना सामान ले लिया. जो अब केस प्रॉपर्टी बन गया है. उनका कहना है कि कोर्ट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही यह सामान वापस मिल सकेगा. अमित ने पुलिस कमिश्नर से मामले की जांच कराने और उन्हें दोबारा दिए गए सामान को वापस दिलाने की मांग की है. जालसाज को टीटी नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया था. थाना प्रभारी संतोष मरकाम ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है.

घोर लापरवाही ▶ नए पौधों की जीवित रहने की दर 66 फीसदी पहुंची

विकास कार्यों की बलि चढ़े 18 हजार पेड़

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 21 अगस्त . राजधानी में बीते चार वर्षों में विकास कार्यों और बुनियादी ढांचों के निर्माण के नाम पर भारी संख्या में पेड़ों की बलि दी गई है. नगर निगम भोपाल द्वारा वर्ष 2026 में जारी नए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 से 2025 के बीच शहर में कुल 17,989 पेड़ काटे गए हैं. चौंकाने वाली बात यह है कि साल 2025 में ही रिकॉर्ड 9,857 पेड़ धराशायी कर दिए गए.

हरियाली बढ़ाने के लिए नगर निगम ने 2,65,625 पौधे रोपे, जिनमें 1,76,270 यानी 66.36 प्रतिशत जीवित बताए गए हैं. 2021 में जीविता दर 45.6 प्रतिशत थी, जो 2025 में 74.5 प्रतिशत पहुंच गई. हालांकि कागजी आंकड़े हरियाली की बेहतर तस्वीर दिखाते हैं, जमीन पर पौधों की वास्तविक स्थिति और निगरानी व्यवस्था पर सवाल बरकरार हैं.

आंकड़ों के बीच धरातल पर लापरवाही भी सामने आई है. अगस्त 2026 में कलियासोत क्षेत्र में नए पौधारोपण के नाम पर ठेकेदार द्वारा 700 से अधिक पुराने और समृद्ध पेड़ों को काट दिया गया, जिस पर निगम ने भारी जुर्माना लगाया है.

पेड़ों की इस अंधाधुंध कटाई पर लगाम लगाने के लिए प्रदेश सरकार ने इसी वर्ष ट्री ट्रांसलोकेशन पॉलिसी-2026' लागू की है. इस नई नीति के तहत अब विकास परियोजनाओं के आड़े आने वाले कम से कम 80% पेड़ों को काटने के बजाय सुरक्षित दूसरी जगह शिफ्ट करना अनिवार्य कर दिया गया है. साथ ही, अपरिहार्य स्थिति में एक पेड़ काटने पर 20 नए पौधे लगाने का कड़ा नियम बनाया गया है.

> **इनका कहना है ..**
> अब नगर निगम पेड़ काटने वालों पर सख्ती से निगरानी रखते हुए कार्रवाई कर रहा है. नए पौधों को लगाने के साथ ही उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने और उनकी देखभाल सुनिश्चित करने के लिए भी निगम लगातार प्रयास कर रहा है.
> – **मालती राय,** महापौर